मेसर्स.गणेश सातारकर प्रकाशित

जॉर्डन का संविधान

ISBN: 978-81-999963-3-5

Author: - MR.GANESH SHRIRANG SATARKAR

LL.M

Advocate, Bombay High Court

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book
Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

1. **BOOK TITLE : जॉर्डन का संविधान**
2. **LANGUAGE:** HINDHI
3. **ISBN: 978-81-999963-3-5**
4. **EDITION:** FIRST EDITION
5. **AUTHOR: Mr. GANESH SHRIRANG SATARKAR**
6. **PUBLISHER/ PUBLISHING AGENCY** :-
7. **M/s. K.K & ASSOCIATES.–** SHIVNERI, GAT NO 153, FARANDWADI, MANE MALA TAL PHALTAN, DIST - SATARA. MAHARSHTA, PIN 415523 INDIA
8. **CONTACT DETAILS:**
   MOBILE: +91 7066766607 **EMAIL:** GANESHNALE0@GMAIL.COM
9. **YEAR OF PUBLICATION:** 2026
10. **FORMAT:** SINGLE-COMPONENT RETAIL PRODUCT (BOOK)
11. **PRICE (IN INDIA):** ₹ 10 /- (**Printed and Published in India)**

COPYRIGHT & PUBLICATION STATEMENT

© 2026 **Mr. Ganesh Shrirang Satarkar (Nale)**
All rights reserved.
Disclaimer:
This publication is protected under applicable copyright laws. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, digitized, scanned, transmitted, copied, shared, sold, or circulated in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, audio-visual, digital, or online—without the prior written permission of the author and the publisher, except for brief quotations permitted strictly for academic, educational, research, or review purposes This book has been authored with the sole objective of presenting research-based, educational, and informative content in a clear, responsible, and accessible manner for students, scholars, and general readers. There is no intention whatsoever to offend, defame, misrepresent, or harm the sentiments, beliefs, dignity, or rights of any individual, community, group, culture, religion, or institution. All references are included purely for scholarly discussion. Every effort has been made to ensure accuracy; however, inadvertent errors may occur. Readers are requested to inform the publisher for correction in future editions. Unauthorized reproduction or piracy is punishable under law.

BIOGRAPHY : ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

Adv. Ganesh Shrirang Satarkar is an emerging legal scholar, researcher, and academic contributor working at the intersection of law, criminology, sociology, and digital governance. He is currently associated with the Central University of Haryana, where he is pursuing postgraduate research in sociology alongside his interdisciplinary work in legal studies.

He holds an LL.M. in Criminal Law, LL.B. (Special), and has qualified the UGC-NET in both Law and Criminology. His academic research focuses on criminal justice systems, cybercrime, artificial intelligence in law, media and crime, governance studies, and socio-legal research.

Adv.Ganesh has contributed to national and international academic platforms through research publications, conference papers, and interdisciplinary collaborations. His work explores emerging legal challenges in areas such as digital justice, cyber security, social justice, gender studies, and technological transformations in legal systems.

He is actively connected with several international academic and research platforms including ORCID, Web of Science, SSRN, Vidwan (INFLIBNET), Google Scholar, OSF, and Harvard Dataverse.

Author Bio Researcher Profiles :

1. ResearchIDs : rid131046
2. Orcid Id : https://orcid.org/my-orcid?orcid=0000-0001-8474-7432
3. ISNI : https://isni.org/isni/0000000529498911
4. Web of Science ResearcherIDOYE-6264-2025
5. Social science research network SSRN Author ID: 9293272
6. Vidwan Profile URL: https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/666713
7. Google Scholar : https://scholar.google.com/citations?hl=en&user=4MrvCEwAAAAJ
8. OSF ID : https://osf.io/cndj8/
9. harvard.edu : https://dataverse.harvard.edu/dataverse/GANESHSHRIRANGSATARKAR).
10 https://about.me/adv.ganeshsatarkar

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

CERTIFICATE

OF WORLD RECORD

Proudly Presented To

Ganesh Shrirang Satarkar

In recognition of the outstanding achievement of becoming the First Indian to Translate and Publish the Constitutions of All 54 African Countries into Hindi as Separate ISBN-Registered Books, demonstrating exceptional dedication, scholarly excellence, and a significant contribution to legal literature and linguistic accessibility, thereby establishing a distinguished and historic record of academic accomplishment.

We officially announce the above-mentioned candidate as a globally certified **"Inspiration World Record Holder"**.

The certificate was issued on 27th February, 2026.

INSPIRATION IS WHERE PASSION BECOMES LEGACY

CERTIFIED

Application No. IWR/2026/UR0173
Certificate No. IWR/2026/WRH0081
Issued By: Chief Adjudicator

ISO CERTIFIED

VISHWAGURU ARPANAM 2026

VIA2025/SS-VA2025AZ760-2025-170/09102025

2 025100 900010

ISO 9001:2015 Registration No: QT-56622/0925
Micro, Small, and Medium Enterprises Registration Number: 11-0093948
Trademark Registered Under the Act of "TRADE MARKS ACT, 1999"

© www.inspirationworldrecords.org

जॉर्डन का संविधान

(The Constitution of Jordan)

Jordan का संविधान अरब विश्व के महत्वपूर्ण संविधानों में से एक माना जाता है। यह संविधान राजशाही, संसदीय व्यवस्था, नागरिक अधिकारों तथा राज्य की प्रशासनिक संरचना को स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है। जॉर्डन का आधुनिक संवैधानिक ढाँचा 8 जनवरी 1952 को लागू किया गया था। यह संविधान देश में राजा, संसद, न्यायपालिका तथा नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करता है।

---

1. देश का नाम

देश का नाम: जॉर्डन
पूरा आधिकारिक नाम: **हाशमाइट किंगडम ऑफ जॉर्डन (Hashemite Kingdom of Jordan)**

जॉर्डन पश्चिम एशिया में स्थित एक अरब राष्ट्र है। इसकी सीमाएँ सऊदी अरब, इराक, सीरिया, इज़राइल तथा फिलिस्तीन से मिलती हैं। राजधानी अम्मान है।

---

2. संविधान का नाम

संविधान का नाम:
The Constitution of the Hashemite Kingdom of Jordan, 1952

यह संविधान 1952 में लागू किया गया और समय-समय पर इसमें अनेक संशोधन किए गए।

---

3. संविधान की प्रमुख विशेषताएँ

जॉर्डन का संविधान निम्नलिखित विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है—

1. संवैधानिक राजशाही
2. संसदीय शासन प्रणाली
3. शक्तियों का विभाजन
4. स्वतंत्र न्यायपालिका
5. नागरिक अधिकारों की सुरक्षा
6. इस्लाम को राज्य धर्म का दर्जा
7. बहुदलीय राजनीतिक व्यवस्था
8. राजा को व्यापक शक्तियाँ

---

4. संविधान का इतिहास

जॉर्डन के संवैधानिक विकास को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को जानना आवश्यक है।

(क) प्रारंभिक काल

प्रथम विश्व युद्ध के बाद ओटोमन साम्राज्य का पतन हुआ। ब्रिटेन ने ट्रांसजॉर्डन क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित किया।

(ख) 1928 का मूल कानून

1928 में पहला संवैधानिक दस्तावेज बनाया गया जिसे "ऑर्गेनिक लॉ" कहा गया।

(ग) स्वतंत्रता और 1947 का संविधान

1946 में जॉर्डन स्वतंत्र राष्ट्र बना। इसके बाद 1947 में संविधान लागू हुआ।

(घ) 1952 का संविधान

राजा तलाल के शासनकाल में आधुनिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित नया संविधान बनाया गया। यही वर्तमान संविधान है।

---

5. संविधान की संरचना

जॉर्डन का संविधान कई अध्यायों और अनुच्छेदों में विभाजित है। इसमें राज्य की संरचना, शासन व्यवस्था, अधिकारों और कर्तव्यों का विस्तृत वर्णन मिलता है।

मुख्यतः संविधान में निम्नलिखित विषय शामिल हैं—

1. राज्य और शासन प्रणाली
2. नागरिक अधिकार एवं कर्तव्य
3. कार्यपालिका
4. विधायिका
5. न्यायपालिका
6. वित्तीय प्रावधान
7. आपातकालीन शक्तियाँ
8. संविधान संशोधन प्रक्रिया

---

6. राज्य की प्रकृति

संविधान के अनुसार जॉर्डन एक—

- स्वतंत्र
- संप्रभु
- अरब
- संवैधानिक राजशाही

है।

राज्य की आधिकारिक भाषा अरबी है तथा इस्लाम राज्य धर्म है।

---

7. राजशाही व्यवस्था

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

जॉर्डन में राजा राज्य का प्रमुख होता है। संविधान के अनुसार राजा हाशमाइट परिवार से होना चाहिए।

राजा की शक्तियाँ

राजा को व्यापक संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं—

1. प्रधानमंत्री की नियुक्ति
2. मंत्रिपरिषद का गठन
3. संसद को भंग करना
4. सेना का सर्वोच्च कमांडर
5. कानूनों को स्वीकृति देना
6. न्यायाधीशों की नियुक्ति
7. आपातकाल घोषित करना

राजा की भूमिका केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि वास्तविक राजनीतिक शक्ति वाली है।

---

8. उत्तराधिकार व्यवस्था

राजसिंहासन का उत्तराधिकार वंशानुगत है।
राजा के बड़े पुत्र को प्राथमिकता दी जाती है।

यदि उत्तराधिकारी नहीं हो तो राजा परिवार के किसी अन्य सदस्य को चुन सकता है।

---

9. नागरिकों के अधिकार

संविधान नागरिकों को अनेक मौलिक अधिकार प्रदान करता है।

प्रमुख अधिकार

(1) समानता का अधिकार

सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं।

(2) व्यक्तिगत स्वतंत्रता

किसी व्यक्ति को अवैध रूप से गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

(3) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

नागरिकों को विचार व्यक्त करने का अधिकार है।

(4) धर्म की स्वतंत्रता

धार्मिक आस्था की स्वतंत्रता प्रदान की गई है।

(5) शिक्षा का अधिकार

राज्य शिक्षा को बढ़ावा देता है।

(6) संपत्ति का अधिकार

निजी संपत्ति की सुरक्षा की जाती है।

(7) न्याय प्राप्त करने का अधिकार

हर नागरिक को निष्पक्ष न्यायालय में सुनवाई का अधिकार है।

---

10. नागरिकों के कर्तव्य

संविधान नागरिकों पर कुछ कर्तव्य भी निर्धारित करता है—

1. कानून का पालन
2. राष्ट्र की रक्षा
3. करों का भुगतान
4. सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

---

11. विधायिका (Legislature)

जॉर्डन की संसद को **नेशनल असेंबली** कहा जाता है।

यह द्विसदनीय (Bicameral) है।

संसद के दो सदन

(1) सीनेट (Senate)

- सदस्यों की नियुक्ति राजा द्वारा
- अनुभवी व्यक्तियों को शामिल किया जाता है

(2) प्रतिनिधि सभा (House of Representatives)

- जनता द्वारा निर्वाचित
- लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व

---

12. संसद की शक्तियाँ

संसद के प्रमुख कार्य—

1. कानून बनाना
2. बजट पारित करना
3. सरकार की जवाबदेही तय करना
4. मंत्रिपरिषद पर नियंत्रण
5. नीतियों पर चर्चा

---

13. कानून निर्माण प्रक्रिया

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

किसी विधेयक को कानून बनने के लिए—

1. संसद के दोनों सदनों से पारित होना
2. राजा की स्वीकृति प्राप्त करना

आवश्यक होता है।

यदि राजा अस्वीकृत करे तो संसद पुनर्विचार कर सकती है।

---

14. कार्यपालिका (Executive)

कार्यपालिका का प्रमुख राजा होता है।

मंत्रिपरिषद

प्रधानमंत्री और मंत्री मिलकर मंत्रिपरिषद बनाते हैं।

मंत्रिपरिषद के कार्य

1. प्रशासन चलाना
2. सरकारी नीतियाँ बनाना
3. संसद के प्रति उत्तरदायी रहना
4. कानून लागू करना

---

15. प्रधानमंत्री की भूमिका

प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है।

उसके प्रमुख कार्य—

- मंत्रिमंडल का संचालन

- नीतिगत निर्णय
- संसद के साथ समन्वय
- प्रशासनिक नियंत्रण

---

16. न्यायपालिका (Judiciary)

जॉर्डन का संविधान स्वतंत्र न्यायपालिका की व्यवस्था करता है।

न्यायपालिका के प्रकार

(1) सिविल न्यायालय

सामान्य मामलों की सुनवाई

(2) धार्मिक न्यायालय

व्यक्तिगत कानूनों से संबंधित मामले

(3) विशेष न्यायालय

विशेष परिस्थितियों के मामले

---

17. न्यायपालिका की स्वतंत्रता

न्यायाधीश स्वतंत्र होते हैं और केवल कानून के अधीन कार्य करते हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप से न्यायपालिका की रक्षा की जाती है।

---

18. संवैधानिक न्यायालय

संविधान संशोधन के बाद संवैधानिक न्यायालय की स्थापना की गई।

कार्य

1. कानूनों की संवैधानिकता की जाँच
2. संविधान की व्याख्या
3. संवैधानिक विवादों का समाधान

---

19. चुनाव प्रणाली

जॉर्डन में नियमित चुनाव कराए जाते हैं।

चुनाव की विशेषताएँ

- सार्वभौमिक मताधिकार
- बहुदलीय व्यवस्था
- निर्वाचन आयोग की निगरानी

हालाँकि कई बार चुनावी सुधारों की माँग उठती रही है।

---

20. राजनीतिक दल

संविधान राजनीतिक दलों को अनुमति देता है।

राजनीतिक दल लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और राजशाही के विरुद्ध गतिविधियों पर प्रतिबंध है।

---

21. स्थानीय प्रशासन

जॉर्डन में स्थानीय प्रशासन की व्यवस्था भी है।

स्थानीय निकाय

1. नगरपालिका परिषद
2. स्थानीय परिषद

इनका उद्देश्य स्थानीय विकास को बढ़ावा देना है।

---

22. वित्तीय प्रावधान

संविधान वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रावधान करता है।

प्रमुख बिंदु

- वार्षिक बजट संसद में प्रस्तुत होता है
- कराधान कानून द्वारा निर्धारित
- सरकारी व्यय की निगरानी

---

23. सेना और सुरक्षा बल

राजा सेना का सर्वोच्च कमांडर होता है।

सेना की भूमिका

1. राष्ट्रीय सुरक्षा
2. सीमाओं की रक्षा
3. आपातकालीन सहायता

---

24. आपातकालीन शक्तियाँ

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

विशेष परिस्थितियों में राजा आपातकाल घोषित कर सकता है।

परिस्थितियाँ

- युद्ध
- आंतरिक अशांति
- राष्ट्रीय संकट

इस दौरान कुछ अधिकार सीमित किए जा सकते हैं।

---

25. संविधान संशोधन प्रक्रिया

संविधान में संशोधन संसद द्वारा किया जाता है।

प्रक्रिया

1. संसद में प्रस्ताव
2. दोनों सदनों की स्वीकृति
3. राजा की मंजूरी

---

26. संविधान के प्रमुख संशोधन

समय-समय पर संविधान में कई संशोधन हुए हैं।

2011 के सुधार

अरब स्प्रिंग के बाद लोकतांत्रिक सुधार किए गए।

प्रमुख परिवर्तन

1. संवैधानिक न्यायालय की स्थापना

2. स्वतंत्र निर्वाचन आयोग
3. नागरिक अधिकारों की मजबूती

---

27. धर्म और संविधान

इस्लाम राज्य धर्म है।

शरिया कानून का प्रभाव व्यक्तिगत मामलों में देखा जाता है।

फिर भी अन्य धर्मों को मानने की स्वतंत्रता दी गई है।

---

28. मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

संविधान प्रेस की स्वतंत्रता को मान्यता देता है।

लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और राजशाही की आलोचना पर कुछ सीमाएँ हैं।

---

29. मानवाधिकार

जॉर्डन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सिद्धांतों का समर्थन करता है।

प्रमुख क्षेत्र

- महिलाओं के अधिकार
- बाल अधिकार
- शिक्षा
- स्वास्थ्य

हालाँकि मानवाधिकार संगठनों द्वारा सुधार की माँग भी की जाती रही है।

---

30. महिलाओं की स्थिति

संविधान महिलाओं को समान अधिकार देता है।

सुधार

1. शिक्षा में समान अवसर
2. राजनीतिक भागीदारी
3. संसद में प्रतिनिधित्व

---

31. संविधान और लोकतंत्र

जॉर्डन का संविधान लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित है, लेकिन राजशाही की भूमिका अत्यंत शक्तिशाली बनी हुई है।

यह संविधान लोकतंत्र और राजशाही के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है।

---

32. संविधान की आलोचनाएँ

कुछ विद्वानों ने संविधान की आलोचना भी की है।

प्रमुख आलोचनाएँ

1. राजा के अत्यधिक अधिकार
2. संसद की सीमित शक्ति
3. राजनीतिक स्वतंत्रता पर नियंत्रण
4. आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग

---

33. संविधान की उपलब्धियाँ

इसके बावजूद संविधान ने जॉर्डन में स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उपलब्धियाँ

1. राजनीतिक स्थिरता
2. संस्थागत शासन
3. न्यायिक संरचना
4. प्रशासनिक निरंतरता

---

34. अरब विश्व में जॉर्डन का संवैधानिक महत्व

जॉर्डन का संविधान अरब देशों में अपेक्षाकृत उदार और आधुनिक माना जाता है।

इसने लोकतंत्र और राजशाही के सह-अस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

---

35. भारत और जॉर्डन के संविधान की तुलना

आधार	भारत	जॉर्डन
शासन प्रणाली	संसदीय लोकतंत्र	संवैधानिक राजशाही
राज्य प्रमुख	राष्ट्रपति	राजा
धर्म	धर्मनिरपेक्ष	इस्लाम राज्य धर्म
संसद	द्विसदनीय	द्विसदनीय
न्यायपालिका	स्वतंत्र	स्वतंत्र
संविधान	विस्तृत लिखित	लिखित संविधान

---

36. वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

आज जॉर्डन मध्य पूर्व का एक महत्वपूर्ण और अपेक्षाकृत स्थिर राष्ट्र माना जाता है।

राजा अब्दुल्ला द्वितीय के नेतृत्व में देश ने कई सुधार किए हैं।

King Abdullah II आधुनिक सुधारों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के समर्थक माने जाते हैं।

---

37. जॉर्डन संविधान का वैश्विक प्रभाव

जॉर्डन का संविधान कई विकासशील देशों के लिए अध्ययन का विषय रहा है क्योंकि—

1. यह परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण है
2. राजशाही और लोकतंत्र दोनों को समाहित करता है
3. मध्य पूर्व में स्थिर शासन का उदाहरण प्रस्तुत करता है

---

38. निष्कर्ष

जॉर्डन का संविधान 1952 से देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था का आधार बना हुआ है। यह संविधान संवैधानिक राजशाही, लोकतंत्र, न्यायपालिका की स्वतंत्रता तथा नागरिक अधिकारों के सिद्धांतों पर आधारित है।

हालाँकि राजा को व्यापक शक्तियाँ प्राप्त हैं, फिर भी संविधान संसद, न्यायपालिका और नागरिक अधिकारों के माध्यम से संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। समय-समय पर किए गए संशोधनों ने इसे अधिक आधुनिक और लोकतांत्रिक बनाने में सहायता की है।

जॉर्डन का संविधान अरब विश्व में एक महत्वपूर्ण संवैधानिक मॉडल माना जाता है। यह संविधान राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने में सफल रहा है।

इस प्रकार, जॉर्डन का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि देश की राजनीतिक पहचान, ऐतिहासिक विकास और सामाजिक संरचना का दर्पण है।

जॉर्डन के 1952 के संविधान (2016 तक संशोधित) के आधार पर मुख्य विवरण निम्नलिखित हैं:

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

राज्य की पहचान और संप्रभुता

- **स्वतंत्रता**: जॉर्डन एक स्वतंत्र और संप्रभु अरब राज्य है ।
- **अखंडता**: यह अविभाज्य है और इसके किसी भी हिस्से को अलग नहीं किया जा सकता ।
- **धर्म और भाषा**: इस्लाम राज्य का धर्म है और अरबी इसकी आधिकारिक भाषा है ।
- **राजधानी**: अम्मान शहर राज्य की राजधानी है ।

शासन प्रणाली

- **शासन का प्रकार**: यहाँ की शासन प्रणाली संसदीय और वंशानुगत राजशाही है ।
- **शक्तियों का स्रोत**: राष्ट्र (Nation) शक्तियों का स्रोत है, जो संविधान के अनुसार अपनी शक्तियों का प्रयोग करता है ।
- **शक्तियों का विभाजन**:
    - **विधायी शक्ति**: यह संसद और राजा में निहित है । संसद के दो सदन हैं: सीनेट (Senate) और प्रतिनिधि सभा (House of Representatives) ।
    - **कार्यकारी शक्ति**: यह राजा में निहित है, जो अपने मंत्रियों के माध्यम से इसका प्रयोग करता है ।
    - **न्यायिक शक्ति**: अदालतें स्वतंत्र हैं और वे कानून के अनुसार राजा के नाम पर निर्णय जारी करती हैं ।

राजशाही और उत्तराधिकार

- **राजा की स्थिति**: राजा राज्य का प्रमुख होता है और वह किसी भी दायित्व या जिम्मेदारी से मुक्त (Immune) होता है ।
- **उत्तराधिकार**: सिंहासन राजा अब्दुल्ला बिन अल-हुसैन के वंश के पुरुष वारिसों के लिए प्रत्यक्ष रेखा में वंशानुगत है ।
- **योग्यता**: सिंहासन पर बैठने वाले व्यक्ति का मुस्लिम होना, मानसिक रूप से स्वस्थ होना और मुस्लिम माता-पिता एवं वैध पत्नी से पैदा होना अनिवार्य है ।
- **आयु**: राजा 18 चंद्र वर्ष की आयु पूरी करने पर वयस्क माना जाता है ।

नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य

- **समानता**: सभी जॉर्डनवासी कानून के सामने समान हैं; उनके बीच जाति, भाषा या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा ।
- **व्यक्तिगत स्वतंत्रता**: व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी दी गई है । किसी भी व्यक्ति को कानून के प्रावधानों के बिना हिरासत में नहीं लिया जा सकता या प्रताड़ित नहीं किया जा सकता ।
- **पवित्र कर्तव्य**: देश की रक्षा, उसकी क्षेत्रीय अखंडता और सामाजिक शांति बनाए रखना प्रत्येक जॉर्डनवासी का पवित्र कर्तव्य है ।
- **सामाजिक सुरक्षा**: राज्य अपनी क्षमताओं के भीतर काम और शिक्षा सुनिश्चित करेगा और विकलांगों, बच्चों एवं बुजुर्गों की देखभाल और सुरक्षा करेगा ।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Jordan

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book

THE END

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932